गृहस्थ में रहते आनंदित कैसे रहें

गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए भगवान की आज्ञाओं पर चलना, श्रीमत पर चलना ये बहुत आवश्यक है। जब हम उनकी आज्ञाओं पर चलते हैं तो वो निश्चित रूप से हमसे प्रसन्न होंगे, जैसे सब जगह होता है। कॉमन बात है। बच्चे माँ-बाप की आज्ञाओं पर चलेंगे तो माँ-बाप बहुत खुश होंगे। प्यार करेंगे, मदद करेंगे। हमें भगवान की आज्ञाओं का पालन करना है। हमसे ये नहीं हो सकता। हम तो गृहस्थ में हैं। गृहस्थ का बोझ तो बहुत ज़्यादा है। ये सब हमें नहीं सोचना है। भगवान की मदद मिल रही है। आप एक कदम आगे बढ़ेंगे वो हज़ार कदम आगे बढ़ेगा अर्थात् बहुत ज़्यादा मदद करेगा आपको। इसलिए ध्यान देंगे कि अन्तिम समय आकर पहुंच गया है, स्वयं को कहीं उलझाना नहीं है। मोस्ट इम्पोर्टेंट फैक्टर है जीवन का। बहुत सारे लोग अभी भी समय की नाज़ुकता को समझ नहीं रहे हैं। समय की गति बहुत गहन है। हम स्वर्णिम युग की ओर भी चल रहे हैं और कलियुग की समाप्ति की ओर भी। निश्चित ही कलियुग समाप्त होगा तभी तो स्वर्णिम युग आयेगा। और हम अपने को उलझा दें काम धंधों में तो ये भी तो कोई बुद्धिमानी नहीं है।

धन के पीछे बहुत भागना, मेरा साथी तो इतने करोड़ों का मालिक बन गया, मैं भी बन जाऊं। इससे अच्छा विचार है कि स्वयं भगवान मुझे जन्म-जन्म का भाग्य देने आया है, मैं संसार में सबसे अधिक भाग्यवान बन जाऊं। मुझे अथाह सम्पदा देने आया है उससे सबकुछ प्राप्त कर लूं। ये जीवन सुखों में बीतने लगे, शांति में बीते, प्रेम, खुशियों में बीते और विशेष बात कि हम शक्तिशाली बन जायें। शक्तिशाली बनकर फिर समस्याओं के सामने जायें तो फिर समस्यायें आपे ही भाग जायेंगी। हम कमज़ोर हो जाते हैं तो समस्यायें पॉवरफुल दिखाई देती हैं। उनका फोर्स बढ़ जाता है। तो सभी गृहस्थ व्यवहार में रहने वालों को ये सैम्पल दिखाना है, ये देखें कि ये भी तो गृहस्थ व्यवहार में रहते हैं। ये भी तो काम धन्धा करते हैं लेकिन ये भी तो कितने खुश हैं। जो कमाकर लाये हैं उसमें आनंदित हैं। जो नहीं मिला नॉ प्रॉब्लम। ऐसा अपना मन बना लें। मेहनत करें कमाने की।

बहुत लोग करोड़पति बनने के चक्र में बहुत सारा लोन लेकर फिर उसे उतार नहीं पाये कभी। पूना में भी ये हुआ, बहुत सारा पैसा लोन में ले लिया पाँच-पाँच करोड़ ले लिया। बहुत अच्छी सैलरी थी, बहुत अच्छा जीवन चल रहा था लेकिन बहुत धनवान बनने के चक्र में फंस गये बहुत बुरी तरह। अब चिंतायें सताती हैं, नींद नहीं आती। पाँच करोड़ एक कॉमन मैन के लिए तो हिमालय पहाड़ जैसा है, जो गिर जाये तो नष्ट कर दे। ऐसा नहीं करना है। खुश रहना, संतुष्ट रहना। ये समय ही बहुत इम्पोर्टेंट है, भगवान इस समय देने आ गया। और सतयुग में तो इतनी अथाह धन-सम्पदा होगी जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। पैसा,

धन, सम्पदा गिनने की ज़रूरत ही नहीं होगी। मकान तो कितने-कितने बड़े होंगे एक-एक के पास। महल जैसे ही होंगे, वो भी सोने-हीरे लगे होंगे। तो हम थोड़ा-सा अन्तर्मुखी होकर अपने को शांत और सन्तुष्ट करें।

एक परिवार आया, सात-आठ एक ही परिवार के लोग। लड़की ज्ञान में थी अच्छी पढ़ी-लिखी। सबने ज़ोर लगाया शादी करनी है। कन्या को घर में कैसे रखेंगे। बात तो लोगों की ठीक होती है। शादी कर दी, छह मास में घर आ गई है वापिस। मुश्किलात हो गई है। फिर से एडमिशन लिया है, फिर से आगे की पढ़ाई शुरू कर दी है। अब कह रही है कि मैं वहाँ नहीं जाऊंगी। मुझे अपना ईश्वरीय जीवन ही श्रेष्ठ बनाना है। देखिये ये सब हो रहा है। समय की सूक्ष्मता को पहचानेंगे। आप सब ज़्यादा देख रहे होंगे मेरे से। साथियों का क्या हो रहा है। भारत में तलाक की समस्या कितनी विकराल होती जा रही है। क्योंकि इस समय ही सभी के हिसाब-किताब भी चुक्तू होकर समाप्त होने को आयेंगे तो बहुत कुछ बातें आयेंगी। वो बिल्कुल नहीं होगा जो हम चाहते हैं। तो थोड़ा-सा समझदार बनेंगे। हल्का करेंगे अपने को।

मैं सभी गृहस्थ वालों को कहना चाहूंगा, अपने पुरुषार्थ की कुछ एक सरल प्लानिंग करके चलें। पिछले अंक में हमने कहा सवेरे उठकर ईश्वरीय सुख प्राप्त करना, उससे कनेक्ट हो जाना। अपने को सुन्दर संकल्पों से चार्ज कर लेना। और फिर ईश्वरीय महावाक्यों का परम सुख प्राप्त करना। रोज़ ऐसा होता है कि भगवान हमसे बातें करता है। कुछ हमें याद दिलाता है। उस रस में आप आयेंगे तो आपकी स्पिरिचुअल शक्तियां बढ़ेंगी। आपके कारोबार सहज सफल होंगे। ये कनेक्शन सभी को याद रखना है। हमारी मानसिक स्थिति, हमारी योगयुक्त स्थिति जितनी बढ़ेगी हमारे कार्य उतने ही सहज और सरल होते जायेंगे। जीवन उतना ही सरल होगा। हर कदम पर सफलता मिलेगी। और अगर विघ्न आयेंगे तो हम उन विघ्नों को हँसते-हँसते पार कर लेंगे। हर विघ्न हमें देकर जायेगा कुछ न कुछ गिफ्ट। हमें कुछ सीखाकर जायेगा, अनुभव देकर जायेगा।

इसके बाद जो हम कर्मक्षेत्र पर आये हैं, किसी को बिजनेस पर जाना है, किसी को जॉब करनी है। माताओं को भी आजकल नौकरियों पर जाना है, बच्चों को स्कूल भेजना है। काम थोड़ा भारी भी हो जाता है मातृ शक्ति के लिए। लेकिन इन सबको एन्जॉय करें। देखो बिल्कुल पुरुषार्थ की सहज विधि एक अभ्यास। आज आपने अभ्यास ले लिया मैं आत्मा इन आँखों से देख रही हूँ, सारा दिन, हर घंटे में एक-दो बार ये अभ्यास करें। कभी भूलेंगे, कभी याद आयेगा, बढ़ती जायेगी प्रैक्टिस। अगले दिन का अभ्यास ले लें कि मैं आत्मा इस तन में अवतरित हुई हूँ, तीसरे दिन ले लिया मैं शिव शक्ति हूँ, इष्ट देवी हूँ। इस तरह प्लान बना लो छह-सात दिन का। तो सहज मन व्यर्थ से मुक्त होगा। मन की स्पीड स्लो डाउन होगी। ऐसा करेंगे तो बहुत आनंदित जीवन हो जायेगा।

सिवानी मंडी-हरियाणा। महाशिवरात्रि एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम में ब्र.कु. राजेंद्र बहन व ब्र.कु. निर्मल बहन को सम्मानित करते हुए पशुपालन एवं कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल। साथ हैं नगर पालिका के वाइस चेयरमैन रमेश पोपली तथा अन्य विशिष्ट लोग।

ब्रह्मपुर-गिरि रोड(ओडिशा)। ब्रह्माकुमारीज़ के शांति कुंड सेवाकेंद्र में त्रिमूर्ति शिव जयंती एवं महिला दिवस के अवसर पर शिवरात्रिजागरण एवं विशाल शिव संदेश शांति यात्रा का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ डॉ. प्रिय जीत जेना,असिस्टेंट प्रोफेसर ऑफ चेस्ट एंड टीबी ने किया। इस मौके पर गीतांजली दास,वाइस चांसलर सहित 100 से अधिक महिलायें उपस्थित रहीं। इसके साथ ही प्रभु उपहार रिट्रीट सेंटर में दो दिवसीय 'शिव दर्शन चैतन्य झाँकी एवं द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन' का भी आयोजन हुआ।

वाराणसी-उ.प्र.। दैनिक जागरण,वाराणसी द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम 'त्रिमर्श' के दौरान दैनिक जागरण,वाराणसी के सम्पादक भारतीय वसंत एवं सिटी चीफ प्रमेंद यादव के साथ आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् साथ में उपस्थित हैं ब्र.कु. विपिन भाई, ब्र.कु. तापोशी बहन एवं ब्र.कु. अनीता बहन।

हाजीपुर-राजपूत कॉलोनी(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित झाँकी एवं शोभा यात्रा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए नगर परिषद की सभापति श्रीमती संगीता जी तथा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. अंजली बहन।

मोकामा-बिहार। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के अवसर पर शंकरचार टोला स्थित पुरानी दुर्गा मंदिर में आयोजित आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए नगर परिषद की उपसभापति नीतू देवी, यादवी परिवार से लालबाबू जी, समाजसेवी गुरजीत सिंह, ब्र.कु. निशा बहन, ब्र.कु. रोशनी बहन एवं ब्र.कु. गुड़िया बहन। इस मौके पर स्टेशन मास्टर अशोक कुमार मुलदियार व अन्य गणमान्य लोगों सहित ब्र.कु. नमन भाई व अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित शोभा यात्रा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए वार्ड-58 की पार्षद श्रीमती नीलम देवी। साथ हैं सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

महरसा-बिहार। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के अवसर पर सम्बोधित करते हुए डीएम वैभव चौरसी। मंचासीन हैं ब्रह्माकुमारीज़ बिहार की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रानी दीदी, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की राज्य अध्यक्ष अंजना सिंह, कृष्ण भाई एवं सेना बहन।

चरखी दादरी-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि पर आयोजित शिव संदेश यात्रा का शिव ध्वज दिखाकर शुभारंभ करते हुए विधायक सोमबीर सांगवान, नगर परिषद अध्यक्ष बलशी सैनी, कर्नल किशन सिंह तथा ब्रह्माकुमारीज़ की जिला संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता बहन।

दिल्ली-मजलिस पार्क। शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में परमात्मा शिव का सत्य परिचय देते हुए ब्र.कु. राज दीदी। साथ हैं मजलिस पार्क दिल्ली गुरुद्वारा के प्रबंधक कलवंत सिंह नारंग तथा अन्य।

बयाना-भरतपुर(राज.)। शिव जयंती महोत्सव के दौरान मंच पर उपस्थित हैं वरिष्ठ पत्रकार राजीव ज्ञानानी, शिक्षाविद् भावना फोटेल, ब्र.कु. संजीव भाई, ब्र.कु. कमलेश बहन व ब्र.कु. सुनीता बहन।

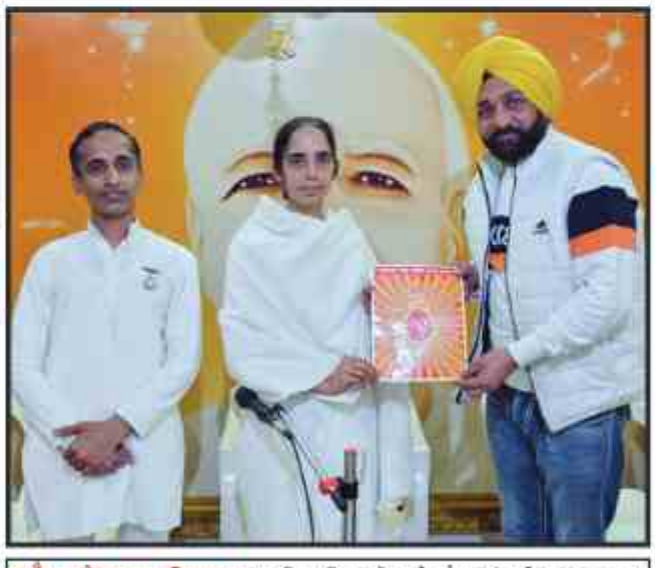

रादौर-फतेहाबाद(हरियाणा)। महाशिवरात्रि कार्यक्रम के दौरान पंजाबी युवा सभा,चार साहिबजादे सेवा सोसायटी व स्वर्ग आश्रम धर्मार्थ समिति के प्रधान सतविंदर सिंह(रिंकू) को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. राज बहन व ब्र.कु. राजू भाई।